The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

रांची
04/**08**/**2020**

इकफ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड का एनसीडीईएक्स के अनुसंधान शाखा के साथ एमओयू ज्ञापन पर हस्ताक्षर

एमओयू में स्कोप कमोडिटी डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग में प्रशिक्षण, वर्चुअल इंटर्नशिप और कैम्पस प्लेसमेंट

आज, इकफ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड ने भारत में तेजी से बढ़ते बाजार, कमोडिटीज डेरिवेटिव ट्रेडिंग पर विश्वविद्यालय के छात्रों में ज्ञान और कौशल का निर्माण करने के लिए एनसीडीईएक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कमोडिटीज मार्केट्स एंड रिसर्च (एनआईसीआर) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद, इकफ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड और एनआईसीआर, संयुक्त रूप से "कमोडिटी मार्केट्स इन इंडिया - ट्रेंड्स एंड कैरियर अवसर" पर एक वर्चुअल पैनल डिस्कशन आयोजित किया गया, जिसमें पूरे भारत के छात्रों, संकाय सदस्यों और उद्योग पेशेवर ने भाग लिया। पैनल चर्चा के लिए उद्योग के विशेषज्ञ एनआईसीआर से श्री एलेन मुखर्जी, मुख्य परिचालन अधिकारी, श्री नीरज शुक्ला एवीपी और वरिष्ठ अर्थशास्त्री-मार्केट इंटेलिजेंस और श्री राम गोपाल यादव, डीआई मैनेजर, थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ आर एस राव ने वेबिनार में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा, "हालांकि, कमोडिटी डेरिवेटिव का उल्लेख कौटिल्य के आर्थ शास्त्र (320बीसी) में मिलता है, कमोडिटी ट्रेडिंग एक्सचेंज भारत में 21 वीं सदी में शुरू हुआ। भारत सरकार की ओर से व्यापक सुधारों के कारण, कृषि उत्पाद ट्रेडिंग बड़े पैमाने पर होने के लिए तैयार है, जिससे सभी स्नातकों, विशेषकर बीकॉम (बैंकिंग), बीबीए और एमबीए के लिए अच्छे करियर के अवसर पैदा हो रहे हैं। यही कारण है कि हमारे विश्वविद्यालय ने आज के वेबिनार के लिए इस विषय का चयन किया, जो विश्वविद्यालय के चरचा मंच पहल का 7 वां संस्करण है।

इस विषय पर बोलते हुए, श्री एलेन मुखर्जी ने कहा, "एनसीडीईएक्स मुख्य रूप से एग्री कमोडिटीज पर केंद्रित है क्योंकि भारत दुनिया में कृषि वस्तुओं के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। आईसीआईसीआई बैंक, एनएसई और नाबार्ड द्वारा इसका प्रचार किया गया। कमोडिटी डेरिवेटिव्स बाजार अनुशासन के बावजूद सभी स्नातक छात्रों के लिए एक उत्कृष्ट कैरियर अवसर प्रदान करता है। हालांकि, छात्रों को कमोडिटी डेरिवेटिव्स और जोखिम प्रबंधन की अच्छी समझ होनी चाहिए। श्री नीरज शुक्ला ने कमोडिटी डेरिवेटिव्स की अवधारणाओं को समझाया की वे इक्विटी मार्केट्स से कैसे अलग हैं। श्री राम गोपाल यादव ने कृषि क्षेत्र, वेयरहाउसिंग, कृषि-प्रसंस्करण, परामर्श, बैंकों और कमोडिटी एक्सचेंजों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर के अवसरों के विवरण को स्पष्ट किया। उन्होंने यह भी बताया कि एनआईसीएमएआर के ऑनलाइन पाठ्यक्रम छात्रों में अपेक्षित कौशल बनाने में कैसे मदद करेंगे।

चर्चा में भाग लेते हुए, नाबार्ड के पूर्व सीजीएम कौशल कुमार सिन्हा ने बताया कि 10,000 एफपीओ को बढ़ावा देने में भारत सरकार की हालिया पहल कृषि वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने में मदद करेगी और किसानों को मूल्य प्राप्ति बढ़ाने में मदद करेगी।

=====

Campus ; 2065, Daladali Chowk, Simalia, Near Kathal Mode, Ranchi-834 005, Tel: 0651-2100254.
City Office: 2167/A, Opp IDBI Bank, Ashok Nagar, Ranchi-834 002, Tel: 0651-2245178 ,2240470, 092040-62414.